तर्ज--तूने छोड़ दिया है मेरा साथ

तुझे भूल गया है तेरा साथ,
पिया तुम तो नही भूले
क्या क्या हुई तुमसे बात,
पिया तुम तो नही भूले

1--जो तुमसे जुदा होती नही,
बैठी है तुम्हारे चरणो तले
अब क्यों तुमको समझा ही नही,
जो निसबत से हो आके मिले
तूने थाम लिया है मेरा हाथ

2--जिस दिल में पिया तेरी बैठक है,
फिर शक उसमे कैसे हो भला
उन रूहों की क्या बात कहें,
जिनको है बेशक प्यार मिला
जहां बेशकी है दिन रात

Nijanand App

3--है मेहर पिया यह सब तेरी,
जो भेद ये तेरा जाना है
जो इश्क तुम्हारे दिल का,
उसे वानी से पहचाना है
हो हर पल मेरे साथ

Nijanand App